विश्वास

लेकिन आपको परमेश्वर में विश्वास का उपयोग करना होगा, ताकि इसे काम करने को लगाये। समझे? इसलिए आपके अंदर आपका अपना पुनरुत्थान है। आपका पुनरुत्थान आपके अंदर रखा हुआ है, आपकी आत्मा में।

2 अब, आप जानते हैं, जब यीशु क्रूस पर मरा, "उसका प्राण अधोलोक के अंदर उतरा और उन प्राणों को प्रचार किया जो कैद में थे, जिन्होंने नूह के धीरज धरने के दिनों में पश्चाताप नहीं किया।" उसका शरीर कब्र में चला गया। लेकिन, इससे पहले कि वह मरे, उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथों में सौंप दिया। हाथ में... "तेरे हाथों में मेरी आत्मा को सौपता हूं।" इसलिए, आप देखते हैं, उसका आत्मा परमेश्वर के पास गया; उसका प्राण अधोलोक में चला गया; उसका शरीर कब्र में चला गया।

3 अब, वह आत्मा जो उसमें था, वह परमेश्वर का आत्मा था। "उस आत्मा ने, विविध समयों में और विभिन्न तरीकों से, भविष्यवक्ताओं का अभिषेक किया, ताकि लोगों के लिए संदेश को लाए; अंत के दिनों में, मसीह के द्वारा; और अब, इन दिनों में यहाँ, सुसमाचार में से होते हुए।" अब, जब हम मसीह को अपने ह्रदय में ग्रहण करते हैं, तो वहां वो सब है जिसकी हमें आवश्यकता है। वहां अनंत जीवन है।

4 अब, मसीह वापस नहीं आ सकता है जब तक कि तीन दिन पूरे नहीं हो जाते। क्योंकि, उसका आत्मा एक पर्दे के पीछे था, जैसे कि एक कठघरा, *इस* तरह से, कि वह उस बाड़े को या कठघरा को पार नहीं कर सकता था, क्योंकि यह परमेश्वर का बोला गया वचन था, कि, "उसे तीन दिन और तीन रात तक कब्र में पड़ा रहना था।" अब, वह वापस नहीं आ सकता था जब तक कि तीन दिन और रात पूरे नहीं हो जाते। तब जब तीन दिन और रात पूरे हुए, उसका आत्मा आजाद हुआ था। यह सीधे उसके प्राण की ओर चला गया, और उसका प्राण वापस आकर और देह को उठा लिया, और जो उसने कहा था उसे पूरा किया, "मेरे पास सामर्थ है कि मैं अपना जीवन दे दूं। मेरे पास इसे फिर से लेने की सामर्थ है। मेरे पास सामर्थ है।"

5 अब, आप में से हर एक के पास उसी तरह से सामर्थ है, क्योंकि आप

परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां हैं। और वही आत्मा जो आज सुबह आप में है, पवित्र आत्मा जो आज सुबह आप में है, वही पवित्र आत्मा आपको जिलाएगा। इसलिए, आपके पास अपने आप को वापस जिलाने की सामर्थ है।

6 जब आप मरते हैं, तो आपका प्राण उस—उस... परमेश्वर की वेदी के नीचे चला जाएगा, ना ही... ठीक परमेश्वर की उपस्थिति में। अब, आपकी आत्मा परमेश्वर के पास जाएगी, लेकिन आप वापस नहीं आ सकते। याद रखें, बाईबल में, इसने कहा आत्मा... "वे प्राण वेदी के नीचे, पुकार रहे थे, 'प्रभु, कब तक, कब तक?'" और वे तब तक वापस नहीं आ सकते थे जब तक कि वचन पूरा नहीं हो जाता, और, मसीह की तरह, जब तक वचन पूरा नहीं हो जाता, तब तक वे वापस नहीं आ सकते थे। तब, उसके बाद, जो कुछ किया गया था, सारे कष्ट समाप्त हो गए, और भाई लोग उन्हीं कष्टों में से होकर गए है, या हमने दुख उठाया है जैसे उन्होंने दुख उठाया, और आदि–आदि; तब, उस दिन, आप ठीक–ठीक जान जायेंगे कि आपको कहाँ दफनाया गया है, आपकी आत्मा परमेश्वर से छुट जाएगी और प्राण में आ जाएगी।

7 अब, प्राण आप का वह भाग है जो आपकी बुद्धिमता को जानता है और समझता है। आपको याद है कि ज्यादा समय नहीं हुआ मुझे दर्शन आया था, या छोटा सा अनुवाद, उस स्थान में गया और उन लोगों को देखा? [सभा के लोग कहते है, "आमीन।"—सम्पा।] अब, आपकी आत्मा उस शरीर में वापस आ जाएगी, और उस—उस प्रकार का एक शरीर, प्राण, जो कि एक शरीर है जिसे ना ही खाना है और आदि–आदि। "यदि यह धरती पर का डेरा सरीखा घर गिराया जाता है, तो हमारे पास पहले से ही एक प्रतीक्षा कर रहा है," एक स्वर्गीय देह। और उस आत्मा के साथ, और उस प्राण और स्वर्गीय देह के साथ, आप इस स्वाभाविक देह को फिर से जिला कर उठायेंगे, उस बड़े सह–शताब्दी के लिए। समझे? आपके पास अब आपमें सामर्थ है, अब ऐसा करने के लिए, लेकिन वह सामर्थ जो अब आप में है, एक नयी दुनिया को बना सकती है। परमेश्वर के पास छोटे से, कमजोर स्थान नहीं होते हैं, और बड़े, भारी स्थान जो शक्तिशाली होते हैं, परमेश्वर का सबसे छोटा सा स्पर्श सर्वसामर्थी है, देखो, परमेश्वर का सबसे छोटा सा स्पर्श।

8 सो, आप जानते हैं, इसलिए मैं आपको अब विश्वास में लाने की कोशिश कर रहा हूं, आप जानते हैं कि आपके साथ कुछ तो घटित हुआ है, एक मसीही के रूप में। क्या आपको पता हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आप *यहाँ* नीचे कीचड़ में सवारी करते थे, सारी गंदगी और पाप के साथ, और शराब पीना, और जुआ खेलना, और—और संसार की चीजें करते थे। खैर, जैसे ही आपने विश्वास किया कि मसीह आपके पापों को क्षमा करता है, आप उन चीजों से ऊपर उठ गए। अब आप *यहाँ* पर सवारी कर रहे हैं, देखो, इन सबसे ऊपर। क्यों? क्योंकि आप यह विश्वास करते हैं कि आप एक मसीही हैं। फिर जब आपने मसीह को स्वीकार किया, और पवित्र आत्मा आपके पास आया, तब आपके पास पवित्र आत्मा में विश्वास होता है, जो आपको उस प्रकार के पाप के जीवन से ऊपर सवारी करने की सामर्थ देता है।

9 तो ठीक है, अब, केवल एक चीज जो आपको करनी है, ताकि चंगाई में ऊपर सवारी करे, बस और ज्यादा विश्वास को रखें, बस—बस इसे बाहर की ओर धकेलते रहे। देखा? और आप वहां है। अब तब आप बीमार होते है, और आप एक मसीही नहीं है, ठीक अभी एक मसीही बने, जिससे कि वो चंगाई की सामर्थ आप में आ जाये, एक मसीही बनने के द्वारा। और यह आपको विश्वास देगा कि आप पाप के ऊपर सवारी करे। यह आपको विश्वास देगा। और हर चीज जिसकी आपको आवश्यकता है, इस यात्रा में, ठीक अभी आप में है। और केवल एक चीज जो आपको करनी है वह है परमेश्वर में विश्वास करना, जो उन अच्छी चीजों को आप में से बाहर लेकर आता है, जो आप में है, पवित्र आत्मा के द्वारा। क्या आप अब स्पष्ट रूप से समझ रहे हैं? आपने इसे पकड़ा?

10 मैं विश्वास करता हूं कि बीती रात्रि बिली ने मुझे बताया, मुझे फोन किया और कहा, "आज सुबह आ जाइये, विशेष रूप से एक व्यक्ति के लिए, जो यह सोचकर आया है कि हम इस सप्ताह उन सात मोहरों पर सभाओ को कर रहे हैं।" और वे एक बीमार बालक को लेकर आए है, मैं सोचता हूं। और यदि आप अभी यहां पर हैं, श्रीमान, याद रखें, आप नहीं कर सकते... आपके—आपके विश्वास को उस बच्चे के लिए जाना होगा यदि यह—यदि यह एक छोटा सा, शिशु बालक है।

11 लेकिन अब मैं एक और वचन को लेता हूं, यदि यह ठीक है, तो बस

एक क्षण के लिए। [भाई नेविल कहते हैं, "भाई, आगे बढिए। आमीन।"—सम्पा।

12 बस याद रखें, अब, सुसमाचारों में, हम वहां 16वें अध्याय में पढ़ते हैं, मैं विश्वास करता हूं, प्रेरितों के काम का, जहां एक रात पौलुस और सीलास कैद में थे। और उन्हें मारा–पीटा गया था क्योंकि उन्होंने एक ज्योतिष विद्या बताने वाली लड़की में से एक शैतान की आत्मा को निकाला था। और यह... और, वह, उसके स्वामी इस बात पर क्रोधित हो गए थे। और उन्हें पीटा, उन्हें भीतरी कैदखानों में डाल दिया। और फिर जब उन्होंने ऐसा किया, जिस समय पौलुस और सीलास प्रार्थना कर रहे थे, और परमेश्वर ने भूकम्प को भेजा और जेल को हिला दिया।

13 फिलिप्पी का जेलर, एक सूबेदार होने पर, जो कि, उसके—उसके कैदियों को खोने पर, उसकी अपनी खुद की जान देकर कैदियों की कीमत चुकानी पड़ती थी। तो वो अपनी तलवार को निकालकर और आत्महत्या करने जा रहा था, जब पौलुस दौड़ कर वहां आया और कहा, "अपने आप को कोई हानि ना पहुंचाना। हम सब यहां पर हैं।"

14 और इस सूबेदार के पास, कहे तो, पौलुस और उनके विषय में कुछ प्रभाव था। उन्होंने हो सकता है स्तुती के गीत गाये होंगे। हो सकता है उन्होंने गवाही दी हो, या कुछ तो किया हो। लेकिन, जो कुछ भी था, वे जानते थे कि वे लोग पवित्र पुरुष थे। वे जानते थे कि उन पुरुषों के विषय में कुछ तो भिन्न बात थी। क्योंकि, तुरंत ही, उसने पूछा, "बचने के लिए मुझे क्या करना होगा? बचने के लिए मुझे क्या करना होगा? "

15 अब, पौलुस ने कहा, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो, और तू और तेरा घराना बच जाएगा।"

16 तो ठीक है, अब, यदि प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते हुए... इसका मतलब यह नहीं है कि *उसका* उद्धार घर को बचा लेगा। लेकिन यदि उसके पास अपने खुद के उद्धार के लिए परमेश्वर में पर्याप्त विश्वास है, तो उसके पास अपने घराने के लिए भी वही विश्वास हो सकता है। और उसके घर को अंदर आना होगा, देखो, वही चीज।

17 वैसे ही जैसे अय्यूब ने किया, जैसा कि मैंने एक रात को एक सभा में कहा, वहां जॉर्जिया में। मैंने कहा, "अय्यूब, उसने कहा, 'अब, मैं नहीं जानता कि मेरे बच्चों ने पाप किया है, लेकिन क्या हो यदि उन्होंने पाप

किया है?'" और अय्यूब को एक काम को करना था, धर्मी होने के लिए, वह था, होमबलि को चढ़ाना। उसने कहा कि वह होमबलि को चढ़ाएगा, यदि उसके बच्चों ने पाप किया था, तो उनके पापों को क्षमा किया जाएगा। और यह एक अच्छी बात थी कि पिता ने इसे किया। यह एक अच्छी सोच वाला पिता है। आज हमें इसी तरह के और भी पिताओ की आवश्यकता है। और अय्यूब ने होमबलि को चढ़ाया। यह उसकी दुखान्त घटना घटने से पहले की बात है।

18 लेकिन जब उसके सारे बच्चे मारे गए, और उसकी भेड़–बकरियां पूरी तरह से नष्ट हो गईं, और जो कुछ उसके पास था, उसे ले लिया गया, वह अपने घर के पीछे राख के ढेर पर बैठा हुआ था, अपने आप को मिट्टी के ठीकरे से खुरच रहा था।

19 क्या आपने ध्यान दिया, उसकी विपत्ति के दिनों के बाद, जब परमेश्वर ने उसे फिर से वापस लौटाना आरंभ किया? जहां उसके पास दस हजार पशु थे, और आदि–आदि, उसने दुगना लौटाया। और उसके भेड़ो को दुगना कर दिया, और हर एक चीज को दुगना कर दिया। लेकिन क्या आपने ध्यान दिया? और परमेश्वर ने अय्यूब को उसके सात बालक भी दिए। क्या आपने कभी सोचा कि वे कहाँ पर थे? वह होमबलि उनके लिए खड़ी थी। वे महिमा में बच गए थे, उसके आने की प्रतीक्षा कर रहे थे। वह आज उनके साथ है। "तू और तेरा घराना बच जायेंगे।" देखा? अब, अय्यूब के पास करने के लिए एक काम था, धर्मी होने के लिए, होमबलि को चढ़ाना था।

20 आपको एक काम को करना है, धर्मी होने के लिए, वह है, परमेश्वर में विश्वास रखना। क्योंकि विश्वास के द्वारा आप बचाये जाते है, विश्वास के द्वारा आप चंगे होते हो, विश्वास के द्वारा आपको सब कुछ मिल जाता है जो आपके पास है। देखा? यह विश्वास के द्वारा है, कि आप इसका विश्वास करते हैं। अब, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करे, और तू और तेरा घराना बचाया जाएगा।"

21 अब, श्रीमान, यदि आपके पास यहां प्रार्थना करवाने के लिए बालक है, तो आप स्वयं विश्वास करें। मैं यहां मेरे विश्वास को आपके विश्वास के साथ रखने के लिए हूं, और हम मिलकर विश्वास करेंगे, कि परमेश्वर उस बालक को चंगा करेगा।

22 आप देखिए, हमारे अंदर ऐसा करने की सामर्थ है। आपके पास इसे करने की सामर्थ है। हर एक मसीही के पास इसे करने की सामर्थ है। लेकिन अब यदि हम बस प्राप्त कर सकते... वह सामर्थ एक नियम के द्वारा नियंत्रित होती है।

23 जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, यह ऐसा है जैसे गुरुत्वाकर्षण पानी को नियंत्रित करता है, क्योंकि यह एक नियम है। गुरुत्वाकर्षण पानी को नियंत्रित करता है।

24 सूर्य, उसके द्वारा—द्वारा नियंत्रित किया जाता है... या पृथ्वी के द्वारा, पृथ्वी के घुमाव के द्वारा। आप बस सूर्य को एक चीज करने को नहीं लगा सकते हैं, उसके बाद कहेगे, "मैं सोचता हूं कि मैं थोड़ी देर और सोना चाहता हूं। एक घंटे के लिए रुक जाओ।" यह ऐसा नहीं करेगा, देखो, क्योंकि वहां एक नियम है। यदि आप उस नियम के अनुसार कार्य करेंगे, तो ठीक है, तब, सब कुछ ठीक हो जाएगा। यदि आप समय पर सो जाते हैं, तो आप समय पर जाग सकते हैं। और यदि आप...

25 जैसे कि हमारे पास सुपीरियर झील है, ओंटारियो झील है, हूरोन झील है, और वे सारी बड़ी झीलें यहाँ पर हैं। हमारे पास नेवादा, और कैलिफोर्निया, और एरिजोना, और न्यू मैक्सिको में दसो हजार गुना हजारों एकड़ जमीन है, जो जल रहा है, उस पानी के लिए, ऐसी भूमि जो कुछ भी उगा सकती है। आप वहां बाहर सारे संसार को खिला सकते हैं, यदि आपके पास केवल यही पानी होता, यहां भूमी के ऊपर, वहां नीचे। और इससे इसकी चिंता नहीं होगी, क्योंकि यह वसंत से जल को प्राप्त करता है। जैसे ही यह बाहर निकलता है, बस फिर से समतल पर आ जाता है, क्योंकि गुरुत्वाकर्षण इसे वहां पकडे रखता है। तो ठीक है, अब, यदि आप गुरुत्वाकर्षण के नियम के अनुसार काम कर सकते हैं, आप इन सारी महान झीलो के पानी को लेकर और उसे सारे देश में डाल सकते है, और सारे संसार को खिला सकते है, कोई भी भूखा ना रहेगा। लेकिन आप यहां बैठकर और नहीं कह सकते, "जी हां। मैं इसे देखता हूं। निश्चय ही।" आपको इसे करने के लिए जाना होगा।

26 तो ठीक है, यह इसी तरह से परमेश्वर के नियम के द्वारा है। परमेश्वर का नियम विश्वास है। और आज सुबह हमारे पास विश्वास है, किसी भी बीमारी को चंगा करने के लिए, कुछ भी करने के लिए। लेकिन यह एक

नियम के द्वारा नियंत्रित होता है, और वह नियम विश्वास है। परमेश्वर का नियम विश्वास है। यीशु ने कहा, "जो कुछ भी तुम चाहते हो, जब तुम प्रार्थना करो, यदि तुम विश्वास कर सकते हो कि तुमने इसे पा लिया है, तो तुम्हारे पास यह हो सकता है।" आप वहां है। सो, यह वो विश्वास है जो इसे नियंत्रित करता है, और विश्वास हमें वैसे ही दिया जाता है जितनी हमें इसकी आवश्यकता होती है। अब, हमें... परमेश्वर ने हममें से कुछ को कोई एक विश्वास दिया है, कुछ को दूसरा विश्वास। यह कोई महान अलौकिक सामर्थ नहीं है जो आपके पास है। क्योंकि, जब आप एक मसीही बन जाते हैं, तो आपके—आपके पास पहले से ही सामर्थ होती है, लेकिन आपके पास उस सामर्थ को क्रियाशील करने में विश्वास की कमी होती है।

27 तो अब, आज सुबह, जब आप प्रार्थना करने के लिए आएंगे, तो याद रखें, बाईबल ने यह कहा है। यह सच है। याकूब 5:14, "यदि तुम में से कोई बीमार हो, तो वे कलीसिया के प्राचीनों को बुलाये। वे उनका तेल से अभिषेक करें, और उनके लिए प्रार्थना करें। विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचा लेगी, और परमेश्वर उसे उठा कर खड़ा करेगा।" यह एक प्रतिज्ञा है, यदि आप इसे विश्वास करेंगे। इसलिए, देखिए, चंगाई व्यक्तिगत के लिए निर्भर करती है।

28 यह यीशु नासरी के दिनों में था। वह लोगों को उनके—उनके खुद के विश्वास के विरुद्ध चंगा नहीं कर सका। उसने कहा, "मैं चंगा कर सकता हूं, यदि तुम विश्वास करो। यदि तुम विश्वास करते हो कि मैं इसे करने में सक्षम हूं, तो मैं इसे कर सकता हूं।" यदि तुम इसे विश्वास कर सकते हो!

29 इसलिए, कुछ लोग उस—उस चंगाई की सामर्थ को किसी और सुसमाचारक में फेंक देते हैं। यह ऐसा नहीं है। चंगाई की सामर्थ आप में है। यह आप में है। वे तो बस घोड़े के आगे गाड़ी को रखते है। सुसमाचारक के पास चंगा करने की सामर्थ नहीं है।

30 यह पवित्र आत्मा है जिसके पास चंगा करने की सामर्थ है, और आपके पास पवित्र आत्मा है। यही वो छोटा पेड़ है जो आप हैं, और वे सारी चीजें जिनकी आपको आवश्यकता है, आप में है। सो, इसलिए, आप बस परमेश्वर की प्रतिज्ञा से पीना आरंभ करें, कहते हुए, "यह सच्चाई है। परमेश्वर ने कहा वह मुझे चंगा करेगा। उसके कोड़े खाने से मैं चंगा हो गया।'" आप वहां है। आप जानते हैं आप क्या करते हैं? आप चंगाई को

बाहर की ओर धकेलना आरंभ करते हैं, बस ऐसा ही है। समझे? और फिर, दूसरे लोग देख सकते हैं कि आपके पास क्या है।

31 अब यह क्या है, "विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।"

32 मैं उस छोटे से पेड़ को लगा सकता हूं। मैं सेब को नहीं देखता, लेकिन वे वहां पर उसमें हैं। वह छोटा पेड़ जानता है कि वे वहां पर उसमें हैं। इसलिए वह बस जल को पीना आरंभ करता है, धकेलता है और धकेलता है, क्योंकि वह जानता था, "यह मुझ में है। मैं इसे थोड़ी देर के बाद यहां पर लेकर आऊंगा। मुझे थोड़ा सा समय दो। बस मुझे थोड़ा समय देना।" वह बस पीता रहता है। "हाँ, मैं जानता हूँ कि सेब मुझ में है। मैं उन्हें थोड़ी देर के बाद लेकर आऊंगा।" और पहली बात जो आप जानते हैं, यहां वे आते हैं। यहाँ पर सेब आते हैं, क्योंकि उसने विश्वास किया कि वे उसमें है।

33 और यदि आप विश्वास करते हैं कि पवित्र आत्मा की सामर्थ आप में है, आपको चंगा करने के लिए, आप वहां पर हैं। बस धकेलते रहे। समझे? आपके पास विश्वास है। आप परिणाम को तुरंत ही नहीं देख सकते हैं। आप इसे नहीं देखते हैं।

34 अब, देखिए, याकूब ने अब्राहम को उसके कामों के द्वारा धर्मी ठहराया। पौलुस ने अब्राहम को उसके विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराया। तब हम दोनों के बीच में क्या कहे? अब्राहम बोल रहा था जो... मेरा मतलब, पौलुस उस पर बोल रहा था जो परमेश्वर ने अब्राहम में देखा। और याकूब बोल रहा था जो लोगों ने अब्राहम में देखा। समझे? अब, देखा?

35 इसलिए, परमेश्वर जानता था कि बालक के आने से पहले, कि अब्राहम के पास विश्वास था। और अब्राहम ने इसे परमेश्वर के सामने साबित किया, इस प्रकार के आचारण करने के द्वारा (वो) कि वो बालक आने वाला है जब कि वह जीवाणुहीन था। उसकी कोई संतान नहीं थी। उसकी पत्नी का गर्भ मरा हुआ था, और वह जीवाणुहीन था। लेकिन, फिर भी, वह जानता था, "वहां कहीं तो बालक था।" आप देखिए, वह प्रतिज्ञा को पीता रहा, परमेश्वर के महान अल–शदाई की *छाती* पर झुका रहा। वहां पर झुका रहता है, पीते जा रहा है, यह जानते हुए कि परमेश्वर ये उसे देगा; जानता था कि यह एक प्रतिज्ञा थी, और उसे यह करना था।

36 और हम अब्राहम की संतान है। तो आइए उसकी प्रतिज्ञा पर झुके, और वहां थामे रहे, यह जानते हुए कि परमेश्वर इसे करेगा। उसने ऐसा कहा है। अब आप इसे विश्वास करते हैं? [सभा के लोग कहते है, "आमीन।"—सम्पा।]

37 तब बीमारों की पंक्ति यहां एक ओर या दूसरी ओर आ जाए, जो प्रार्थना करवाना चाहता है। और यदि हम यहां प्राचीन को लेकर और लोगों का तेल से अभिषेक करें, मैं उनके लिए प्रार्थना करूंगा, और हम विश्वास करेंगे कि परमेश्वर उनमें से हर एक को चंगा करेगा। "यदि तुम विश्वास कर सकते हो।"

38 टेडी, तुम कहाँ पर हो? इस दाहिनी ओर पर आ जाये। यह ठीक है। और मैं चाहता हूं कि आप *केवल विश्वास करो* बजाएं।

39 और जब वे आ रहे हैं, आइये हम अपने सिरों को झुकाये, बाकी के श्रोतागण, और आइए इन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो लोग आ रहे हैं।

40 हमारे स्वर्गीय पिता, हम आज सुबह आपके लिए लाते हैं, यीशु मसीह के नाम में, ये गरीब, बीमार, कष्ट सहती हुई मानवता जो इस भयानक, विनाशकारी स्थिति में है। मैं आप पर विश्वास करता हूं, प्रभु। मैं—मैं जानता हूं कि आपके वचन सच्चे हैं। वे बहुत ही सच्चे हैं! वे असफल नहीं हो सकते, क्योंकि वे परमेश्वर के अनन्त और सनातन वचन हैं। वे सर्व–शक्तिमान हैं, जैसे परमेश्वर है, क्योंकि वे उसी के एक भाग हैं। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया।" अब, हम यह विश्वास करते हैं, प्रभु, हमारे पूरे हृदय से, हमारे पुरे प्राण से, वो सब जो हमारे भीतर है। हम इसे विश्वास करते हैं।

41 और मैंने कोशिश की है, एक साधारण, बच्चों की तरह से, ताकि इसे लोगों के सामने रखे, जिससे कि वे समझ सके और जान सके कि परमेश्वर की सामर्थ उनके भीतर रखी हुई है। यदि उनके पास केवल उनका विश्वास हो सकता हैं और परमेश्वर के आदेशों का पालन करते हैं!

42 इसी प्रकार से वे बच गए थे। उन्होंने आकर और उनके पापों से पश्चाताप किया, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया, इस बाईबल के अनुसार, प्रेरितों के काम 2। और फिर पतरस ने कहा, कि, "तुम पवित्र

आत्मा के दान को पाओगे।" और यहाँ यह आता है, बिल्कुल ठीक, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है जो प्रकट हुआ है।

43 तो ठीक है, अब, वही चीज, पिता, हम जानते हैं कि यह सच है, जब हम बीमारों को तेल से अभिषेक करते हैं, और प्रार्थना करते हैं। "विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचा लेगी। परमेश्वर उन्हें उठा कर खड़ा करेगा।" परमेश्वर, होने पाए हर एक जन आज सुबह इस स्थान से, बहुत ही खुश होकर और आनंदित होकर, इस वेदी को छोडकर जाए, यह जानते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें चंगा किया है। "जाओ, और चंगे हो जाओ।" क्योंकि हम उन्हें अब आपको समर्पित करते हैं, यीशु मसीह के नाम में।

44 और होने पाए हर एक जन चंगा हो जाए, और दर्शन को पकड़ ले, इसका क्या अर्थ है, अब्राहम की तरह, उन चीजों को ऐसा बताया जो कि नहीं है हालाँकि जैसे वे है, कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिणाम क्या है, इसका विश्वास से कोई लेना–देना नहीं है। परिणाम कुछ भी नहीं है। विश्वास ने पहले ही पकड़ लिया है। "और विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है।" परमेश्वर, होने पाए यह उनके ह्रदय की गहराई में चली जाये, क्योंकि उन्हें आपकी आवश्यकता है।

45 मैं आपके नम्र दास के रूप में जाता हूं, कि यहां दूसरे सेवकों के साथ खड़ा होऊं, और परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हमारे ह्रदय में इन बीमार लोगों के लिए डाले। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

46 किसी ने बताया भाई एस्टल बीलर उस इमारत में थे। और मैं विश्वास करता हूं कि यहां पर एक और सेवक है, जिसने आज सुबह प्रार्थना में अगुवाई की। हम सभी सेवकों से पूछना चाहते हैं, जो यहाँ पर है, वे जो भी हैं, क्या आप यहां आकर और हमारे साथ इस वेदी के चारो ओर खड़े होंगे, बस कुछ क्षण के लिए, कृपया, भाइयों। और वे लोग... भाई बेन, धन्यवाद। ठीक आगे आकर और यहां वेदी के चारो ओर खड़े हो जाए, ताकि हम इन लोगों के साथ प्रार्थना कर सके, उन पर हाथ रखे।

47 अब, जैसा कि वे गीत को बजाते हैं। और सेवक लोग यहां अपने स्थान को ले रहे हैं, इसलिए हम, हर एक जन, बीमारों पर हाथ रख सकते हैं।

48 आइए देखें, उधर पहाड़ के उस ओर से नीचे आते हुए। मैं एक मनुष्य को आते हुए देखता हूं, जो किसी भी दूसरे मनुष्य से भिन्न नहीं था। वह बस एक साधारण सा मनुष्य था, एक प्रकार से शरीर में छोटा, मेरा मतलब

कमजोर। जैसा कि हम उसकी ओर देखते हैं, उसकी आंखें नीचे घाटी में एक—एक जगह लेते हुए दृश्य पर पड़ती है। यह उसके प्रेरित लोग थे। उनके पास वहां एक लड़का था, जिसे मिर्गी की बीमारी थी, और कोई संदेह नहीं, लेकिन वे जो कह रहे थे, "उसे चंगा करे, प्रभु! उसे चंगा करे!"

49 लेकिन, आप देखते हैं, केवल यह कह रहे थे, "उसे चंगा करे, प्रभु, उसे चंगा करे," ऐसा नहीं होगा। यह बस ऐसा नहीं होगा। इसके पीछे कुछ तो होना है, "उसे चंगा करे, प्रभु, उसे चंगा करे।" देखा? और यदि मैं आपको यह विश्वास दिला सकता हूं, और अपने पूरे हृदय से विश्वास करे, तो आप चंगे होने जा रहे हैं, यदि मैं आपको वास्तव में दर्शन को दिखा पाता।

50 अब देखो, वे चेले वहां पर खड़े हुए हैं, हो सकता है उसे हिला रहे हों, हो सकता है, जोर से धक्का दे रहे हो, "इसे विश्वास करो, भाई! विश्वास करो! हाल्लेलुय्या! विश्वास करो! उसे चंगा करे, प्रभु! उसे चंगा करे!" लेकिन शैतान ठीक वहीं पर बना रहता है, क्योंकि उसे वहां पर इतना विश्वास नहीं मिला कि उसे छोड़ने को लगाये।

51 लेकिन यहाँ एक आता है वहां पहाड़ी के उस पार से। और जैसे ही उस शैतान ने यह पहचान लिया कि वह दूसरे मनुष्यों से थोड़ा भिन्न था! समझे?

52 अब, हम इसी प्रकार के मनुष्य वहां साथ होना चाहते हैं, हमारे प्रभु यीशु के जैसे। जी हां। बस एक दिखावे के लिए नहीं आया, लेकिन आया, हमारे परमेश्वर से प्रेम करे, जान ले कि हमें आज्ञा दी गयी है कि जाकर इसे करे। यह हमारी आज्ञा है।

53 फिर, जब वह पिता के पास चलकर गया, मैं सोचता हूं कि यही वह स्थान है जहां से यह गीत लिखा गया था, जिसकी वचन से रचना की गयी है, उसने कहा, "प्रभु, मेरे पुत्र पर दया करे, क्योंकि वह भिन्न–भिन्न प्रकार से शैतान से परेशान है।" कहा, "यह उसे आग में फेंक देता है, और बीमार या कमजोर कर देता है, और आदि–आदि।" उसने कहा, "मैं उसे आपके चेलों के पास लाया, लेकिन वे उसे चंगा नहीं कर सके। लेकिन मैंने—मैंने—मैंने सोचा... "

54 उसने कहा, "मैं कर सकता हूं, यदि तुम विश्वास करो। अब, मेरे भीतर सामर्थ है," उसने कहा, "इसे करने के लिए, यदि तू यह विश्वास

कर सकता हैं।"

55 क्या परमेश्वर उन कैंसर से ग्रस्त लोगों को जो आज सुबह यहां बैठे हुए हैं, जो ग्रस्त है, कैंसर के साथ बिस्तर पर पड़े हुये है, और ल्यूकेमिया, बीमारियों, पीड़ाओ के साथ, क्या परमेश्वर उन्हें चंगा करेगा और आपके पास से गुजर जायेगा? संभावना नहीं है। नहीं। समझे? अब, वह असफल नहीं होता है। "मैं कर सकता हूं, यदि तू विश्वास करे।" उसने क्या कहा?

क्योंकि सारी बातें संभव है, केवल...

अब, भाई टेलर, ऊपर आये... ? ...

अब केवल विश्वास करें, केवल विश्वास करें,

56 अब, जैसा कि मैं प्रार्थना करता हूं, मैं चाहता हूं कि आप लोगों पर हाथ रखें। जो कुछ भी उन्हें आवश्यकता है... ? ... और सीधे वहां पंक्ति में जाये।

57 भाई नेविल, आप तेल से अभिषेक करें, और भाई लोग... ? ...

58 हर कोई चाहता है, श्रोतागण में, अब अपने सिर को झुकाए हुए। हर कोई गहराई से प्रार्थना में रहे।

केवल...

59 प्रभु, दया करे, मैं प्रार्थना करता हूं, और इन लोगों को यीशु मसीह के नाम में से होते हुए चंगा करे। आमीन।

यीशु नासरत के नाम में... ? ... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

60 बहुत से, पंक्ति में साथ–साथ, उन्हें देख रहे थे, उनकी प्रतिक्रिया को देखते हुए कि वे कैसे थे, देखो कि वे किसी कार्य के होने पर कैसी प्रतिक्रिया करते हैं। देखा? वहां एक किये गये कार्य के रूप में एक ऐसी चीज होती है, वे उठकर और आगे आ जाते है। दूसरी बात यह है कि उनके द्वारा किए गए कार्य पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।। उनके उस स्थान पर आने के बाद कि विश्वास करे, कि, जब उनके लिए प्रार्थना की जाती है, वे चंगे हो जाते है, उसके बाद उनके बर्ताव की प्रतिक्रिया को देखें।

61 अब, हमारे पास्टर के पास हमारे लिए एक अच्छा संदेश है, मुझे पक्का है, आज सुबह।

62 एक बात पर मैं कुछ क्षण के लिए टिप्पणी करना चाहूंगा, एक कैथोलिक लड़की वहां वेदी पर खड़ी हुई थी। कुछ दिनों पहले वह मेरे घर में थी, वह

और उसका पति। और मैं उसके पति को कुछ समय से जानता हूं। और—और वहां कुछ तो था जिस समय हम एक निजी इंटरव्यू में बैठे हुए थे।

63 यही है जहां हमारे पास दर्शन था। यही है जहां हम... मैं यह यहां कलीसिया में रखा करता था, लेकिन तब सुबह को ले लिया, और आदि–आदि। और इसलिए यह वहां पर था।

64 मैंने कभी कुछ नहीं कहा, क्योंकि वह एक लड़की थी, एक और बात है, हमेशा एक कैथोलिक कलीसिया में पली–बढ़ी, और आदि–आदि। लेकिन वह अपनी मां की ओर से बोलने गयी। और उस समय के दौरान, मैंने उसकी मां का एक दर्शन देखा। उसे बताया कि उसकी मां की परेशानी क्या थी, और उसका वर्णन किया, और उसकी मां कैसी दिखती थी। निश्चय ही, वह इसका न्याय कर रही थी, क्या यह सही था या नहीं। मैंने अपने जीवन में उसकी मां को कभी नहीं देखा। वह यह जानती है।

65 और लड़की, आज सुबह, यहां वेदी पर आकर और खड़ी हो गई, एक अंगीकार करने के लिए, और मसीह को उसके उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने। उसने आज सुबह वेदी पर ऐसा किया।

66 भाई नेविल ने नहीं जानते हुए, उसे तेल से अभिषेक किया। परमेश्वर किस—किस तरह से कार्य करता है! उसका तेल से अभिषेक किया, बीमार के लिए। लेकिन पवित्र आत्मा की गतिविधी पर ध्यान दें। अब, कि वह अभिषिक्त थी, वास्तव में बीमार नहीं, परंतु अभिषिक्त। देखा कि यह किस तरह से हर एक चीज को सही काम करने को लगाता है? वह अब एक मसीही के नाई खड़ी हुई थी, उसके बाद जो हम एक मसीही होने का विश्वास करते हैं। अब, उसने कहा, "क्या आप मेरी मां के लिए प्रार्थना करेंगे? वह बीमार है।" यह वही एक है। सो अभिषेक का तेल जल्दी लगाया गया था।

67 मैंने सोचा, कितना उचित है, कि, देखिये, किसी को तो बस बचाया जा रहा है। मसीह हम सब के लिए खड़ा था। वह सबके लिए खड़ा होता है। और जैसे ही यह लड़की एक मसीही बन जाती है, तब वह भी किसी के लिए खड़ा होना चाहती है, यह दर्शाता है कि मसीह का आत्मा हमारे अंदर आता है जब हम वास्तव में बचाए जाते हैं। अब, यह वास्तव में अच्छा है। मैं निश्चय ही इसकी सराहना करता हूं, विश्वास करने वाली अच्छा मसीही आत्मा। अब, बस याद रखें।

68 अब, इस युवा महिला के लिए, वह यहीं कहीं पर है, और एक और कैथोलिक महिला जो वहां से आई थी। और मैं इन शब्दों को कहना चाहता हूं, इससे पहले कि मैं सभा को अपने पास्टर के हाथों में सौंपू, देखो, बात यह है:

69 अब, कैथोलिक कलीसिया एक समय इस कलीसिया के समान ही थी। यदि आप पीछे जाकर और बाईबल को पढ़ेंगे, जिस पर हम विश्वास करते हैं, और आप जानते हैं कि कैथोलिक कलीसिया पहली कलीसिया थी। यह सच है। लेकिन यह अपनी शिक्षाओं से दूर चली गयी। *यह* कैथोलिक कलीसिया की शिक्षा थी। लेकिन, आप देखते हैं, उनके पास छह सौ से अधिक और किताबे है जो छपती है और आदि–आदि लिखी हुई थी, यह बस उनके लिए उतना ही पवित्र है जितना कि यह बाईबल।

70 तो, देखो, यह क्या है, आप बदले नहीं हैं। आपने जो किया है, आप तो बस परिवर्तित हुए हैं। देखा? अब यदि आप लेते हैं... बिल्कुल, मैं समझता हूं कि आप में से कुछ, वे दो, आज सुबह, महिलाये थी। हो सकता है यहां कुछ कैथोलिक पुरुष बैठे हुए हो।

71 यदि आप कलीसिया के इतिहास में वापस जायेंगे, यदि आप अपने याजक से पूछ सकते हैं, "यहां बाईबल में इन प्रेरितों के कार्य, क्या इस तरह से... क्या ये आरंभिक कैथोलिक थे? " वह कहेगा, "हाँ।" और यह सच है। वे थे। अब, वे, देखो उनका किस प्रकार का धर्म था। वे छोटे से, साधारण स्थान में मिले। उन्होंने कभी नहीं कहा, "जय हो मरियम" या "हमारे पिता की।" यह कलीसिया का एक रीति–रिवाज है। उन्होंने क्या कहा? उन्होंने परमेश्वर की स्तुति की। वे चिल्लाये। वे रोये।

72 यहां प्रेरितों के काम 2 में देखें, जब पवित्र प्रेरित पतरस, और याकूब, और यूहन्ना, और सभी एक साथ थे। बाईबल ने कहा कि वे अन्य जुबान में बोले। और वे चिल्लाये, और यहाँ तक कि आत्मा से इतने—इतने भरे हुए थे इतना तक वे ऐसा व्यवहार कर रहे थे जैसे वे नशे में थे, और यहां तक कि बाहर के संसार ने पूछा, "क्या ये सब मदिरा पीए हुए नहीं हैं? "

73 और फिर पतरस, वह प्रेरित, पवित्र संत पतरस, जब वह खड़ा हुआ, और उसने कहा, "लोगों और भाइयों, ये लोग नशे में नहीं हैं, लेकिन वे आत्मा से भरे हुए हैं, " जैसा कि—जैसा कि बाईबल ने कहा कि वे भर गये थे। अब, यह आरंभिक कैथोलिक कलीसिया थी, उनकी शिक्षा के अनुसार।

74 अब, आप देखते हैं, लगभग दो सौ वर्षों के बाद, ऊँच–नीच कलीसिया के अंदर आने लगी। तब उन्होंने क्या किया? उन्होंने अपना पहला संगठन निसियन परिषद में बनाया, 606 मसीह की मृत्यु के बाद में। उन्होंने अपने... जब निसियन परिषद रोम के निसिया में आयोजित की गई थी, तो उन्होंने सभी बड़े–बड़े गणमान्य या उच्च पदाधिकारी व्यक्तियों को इसमें लाना आरंभ किया, और उन्होंने तब एक कलीसिया का *गठन* किया, और एक कलीसिया को *बनाया*।

75 उसके बाद, यह चार या पांच बार टूटी। वे—वे वहां से उसमें से आगे निकले, बिशप की ओर; बिशप से लेकर पोप में। और उसमें से, वहां यूनानी ऑर्थोडॉक्स आ गये और भिन्न–भिन्न आते हैं, इतना तक वे बस टुकड़े हो गये, जहां आप इसे आज देखते हैं। यह बस सब प्रकार के टूटे हुए में से है।

76 लेकिन हम क्या करने की कोशिश कर रहे हैं, मेरे कैथोलिक मित्र... देखो, हम भी कैथोलिक हैं, हम आरंभिक, शुरुवात के कैथोलिक हैं। और कलीसिया जो वे अब हमें बुलाते हैं, ज्यादातर, हमें पेंटीकोस्टल के रूप में संदर्भित किया जाता है, क्योंकि हम पेंटीकोस्टल आशीष में विश्वास करते हैं।

77 यही है जहां कैथोलिक कलीसिया संगठित हुई थी। और आज पेंटीकोस्ट के हमारे संगठनाओ में, यदि—यदि यह संसार पांच सौ वर्ष अधिक समय तक बना रहता है, यह पेंटीकोस्टल संगठन आज की रोमन कैथोलिक कलीसिया से भी अधिक औपचारिक होगी। यह बस उसी तरह से दूर होती जा रही है। और जब वे संगठित हो जाते हैं, तो वे इसमें से एक सराय या लॉज को बनाते हैं। और फिर वे केवल लॉज बन जाते हैं, और सदस्य, और अपरिवर्तित प्राण होते है।

78 मेरे बहुमूल्य, प्रिय भाइयों और बहनों, आप सभी जन। परमेश्वर के एक सेवक के रूप में, मैंने इसे पहले कभी नहीं कहा, संसार में, इस कलीसिया में, मैंने कभी नहीं कहा। लेकिन प्रभु के भविष्यवक्ता के रूप में, मैं आपसे कहता हूं, "यह वो उजियाला है। आप इसी में चले।"

61–0813 विश्वास
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org